पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश – अक्टूबर, 2020

1. **महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:** अनुबंध। में दी गई हैं।
2. **व्यापक अंतर - मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण आयोजित महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले:** शून्य
3. **सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन:**

क्रम सं	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समितिकेनिर्णयों की संख्या**	**प्रस्तावित कार्य योजना समय / सीमा**	**टिप्पणियां**
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने काप्रस्ताव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। विदेश मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से उन देशों की जांच और पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकड़ने के लिए सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधानों के भाग के रूप में मसौदा कानून को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़नेसे संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमीआदि का विस्तृत ब्यौरा संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगा।इसके बाद, भारत वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में संलग्न होगा या नहीं इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनः बैठक होगी।	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने के पहलू की जांच कर ली है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और इन देशों को क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग करने के लिए अस्थायी रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। हालाँकि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है।मसौदा पेपर तैयार किया गया है और कैबिनेट सचिवालय के सुझाव प्राप्त हुएहैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के सहयोग के लिए नीति आयोगके माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

- **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले:** शून्य
- **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहारव्य- नियमों में छूट दी गयी है:** शून्य
- **ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति :** कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निबटायी गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
19	10

8. शासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय /विभागों द्वारा उठाए गए विशिष्ट उपायों की सूचनाएं ।

सैटेलाइटद्वारा समुद्र की सतह का तापमानऔर क्लोरोफिल जैसे व्युत्पन्न मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र की परामर्शिकाएं सृजित की जाती हैं। इसके अलावा, शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज वेदर का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9.(i) **मंत्रालय विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे (मंत्रीमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति) में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा AVMS (ए.सी.सी. रिक्ति निगरानी प्रणाली)पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है और ब्यौरा अनुबंध- II में दिया गया है।

(ii) **एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति:**इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि एसीसी के निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(iii) **उन मामलों की स्थिति, जहां PESB (सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड) से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है**:शून्य

*****

अनुबंध-I

लिए गए महत्वपूर्ण नितिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:-

1. संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय महासागर और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के बीच पृथ्वी प्रेक्षणों और पृथ्वी विज्ञान में तकनीकी सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन का भारतीय दूतावास, वाशिंगटन डीसी में 23 अक्टूबर, 2020 को 10 वर्षों की अवधि के लिए पुन: नवीनीकरण किया गया।
2. दक्षिण एशियाई देशों नामत: भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका के लिए 23 अक्टूबर, 2020 को फ्लैश फ्लड गाइडेंस सेवा राष्ट्र को समर्पित की गई। इस प्रणाली को सभी सदस्य देशों, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में वर्चुअली रुप से लाँच किया गया।
3. 20 अक्टूबर, 2020 के दौरान अंतरसरकारी महासागरीय आयोग (आईओसी), संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के हिंद महासागर सुनामी चेतावनी और शमन प्रणाली (आईओ टीडब्ल्यूएमएस) द्वारा संचालित प्रमुख हिंद महासागर सुनामी अभ्यास में भाग लिया।
4. सितम्बर-अक्टूबर, 2020 के दौरान हिमालय पर चंद्र बेसिन के अभियान को पूरा कर लिया गया है और चार हिमनदों (सुत्री ढाका, बतल, समुद्र टापू और गोपांग) के प्रेक्षण सहित अनेक क्षेत्र गतिविधियां की गई 4500 मी. (समुद्र टापू) और 5000 मी. (चन्द्र बेसिन का प्रमुख भाग) की ऊचाई पर दो स्वचालित मौसम केंद्रों (एडब्ल्यूएस) की स्थापना की गई है।
5. दक्षिण पश्चिम मानसून 15 अक्टूबर, 2020 की सामान्य तिथि के तुलना में 28 अक्टूबर, 2020 को संपूर्ण देश से लौट गया।
6. निचले क्षोभ मंडल स्तरों में उत्तरी-पूर्वी हवाओं के कारण दक्षिण पूर्वी मानसून वर्षा 20 अक्टूबर, 2020 की तुलना में 28 अक्टूबर, 2020 को दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में प्रारंभ हो गई।
7. दक्षिण-पूर्वी अरब सागर (315-610 मी. जल की गहराई) और पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से फिशरी ऑश्नोग्राफिक रिसर्च वैसल से गहरे समुद्र की लिथोडिड क्रैव, पैरालोमिस्ट्र सुचिदई की एक प्रजाति की खोज को एकत्र किया गया है। इसे विज्ञान के लिए नया बताया गया है।

कोविड 19 के कारण लाकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों/ दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाता है।

कैबिनेट के समक्ष ऐसा कोई मामला लंबित नहीं था जिसमे कैबिनेट के निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता अपेक्षित हो।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन:

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से देश में एसएमएस और आईवीआर तकनीक के माध्यम से प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट एडवाइजरी का प्रसारण जारी है। वर्तमान समय में, देश में 36.61 मिलियन किसानों को सीधे एसएमएस के माध्यम से परामर्शिकाएं प्राप्त हो रही हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/आपदा से संबंधित अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/सामान्यजन को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी रही है।
- राज्य अधिकारियों इलेक्ट्रॉनिकऔर प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक कितने प्रारंभ हुए	महीने के दौरान स्थापित	डेटा रिपोर्टिंग
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	322*	--	298
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	356**	--	328
GPS सोंदे आधारित RS / RW (रेडियों सौंदे /रेडियो विण्ड)स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	25***	--	25
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्काई रेडिओमीटर	20	--	17
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	22
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	9 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमेट (AWS और ARG को छोड़कर IMD और अतिरिक्त विभागीय) 3700	---	--	3174
विमानन	79	--	79
रेडिरेशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 722 मे से 400 पुराने है ।
**कुल 1356 में से 1000 पुराने हैं।
*** इसके अलावा,2 डॉपलर मौसम राडार इसरो के हैं।
माह के दौरान दीघा, कावली, हल्दिया, पम्बन, गोपालपुर, कन्याकुमारी, वेरावल और भुज में हाई विंड स्पीड रिकॉर्डिंग सिस्टम (HWSR) स्थापित किए गए ।

मॉडलिंग

अक्टूबर, 2020 के दौरान प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक वृहस्पतिवार, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत रेंज पूर्वानुमान वर्षा सतह तापमान और वायु हेतु अगले चार सप्ताहों तक अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी)/ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), बर्फ और हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान एस.ए.एम.ई)/ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय वायु सेना (आईएएफ) नेवी, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (विमस्टेक) देशों हेतु बंगाल की पहल को रियल टाइम में प्रदान किए गए ।

मासिक मौसम सार (अक्टूबर,2020)

(क) माह के दौरान महत्वपूर्ण मौसम घटनाएं

निम्न दाब प्रणाली :- माह के दौरान, 1-6 अक्टूबर, 2020 और 31 अक्टूबर- 2 नवंबर, 2020 के दौरान पश्चिमी मध्य और निकटवर्ती उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, उत्तरी आंध्र प्रदेश- दक्षिणी उड़ीसा तटीय क्षेत्रों में एक और से दूर म्यांमार के तट से दूर पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक दूसरा निम्न दाब बना। इन दवाबों के कारण अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और उत्तरी पूर्वी राज्यों मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी, समीपवर्ती क्षेत्रों में गहन से गहन वर्षा घटनाओं के साथ व्यापक वर्षा/गरजना हुई।

अवदाब:-माह के दौरान, 11-14, 17-19 और 22-24 अक्टूबर, 2020 के दौरान तीन अवदाब बने। प्रथम अवदाब उत्तरी अंडमान महासागर और इसके पड़ोस में उत्पन्न हुआ और भारी से अतिभारी वर्षा और झंझावात के संदर्भ में इसका प्रभाव उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में रहा। दूसरा पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी में गहरा अवदाब पूर्वी-मध्य अरब सागर में पूर्ण चिन्हित निम्नदाब के रुप में आया। और भारतीय तटों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा अंतिम बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में चक्रवाती संचरण का प्रभाव है। अवदाब प्रणाली के कारण तेलंगाना, रायलसीमा और उड़ीसा के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई और असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा सहित भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा सहित अधिक वर्षा हुई।

(ख) वर्षा परिदृश्य: अक्टूबर, 2020माह मे समग्र देश के लिए वर्षा 78.1 मी.मी. दर्ज की गई है जो इसकी 76.0 मी.मी. की औसत दीर्घवधि (एलपीए) से 3 प्रतिशत अधिक है।

(ग) भारी वर्षा की घटनाएं

कितने दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई	**भारी / बहुत भारी वर्षाकी घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 186**
	वर्षा के लिए प्रतिशत सटीकता (%में)> 64.4 मिमी
दिन 1/24 घंटे	85%
दिन 2/48 घंटे	85%
दिन 3/72 घंटे	84%

(घ) तापमान परिदृश्य :-संपूर्ण देश के लिए महीने का औसत तापमान 26.96^{0}C तापमान था। यह सामान्य से+94^{0}C तापमान अधिक था। 3 अक्टूबर, 2020 को चुरु (पश्चिमी राजस्थान) में अधिकतम तापमान 40.9 ^{0}C रिकॉर्ड किया गया। और माह के दौरान देश के मैदानी भागों में 27 अक्टूबर, 2020 को ऊना, हिमाचल प्रदेश में न्यूनतम तापमान 9.5 ^{0}C रिकार्ड किया गया ।

(ङ) गरजना और ओलावृष्टि गतिविधि :- माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख के 0830 आईएसटी तक) गरजना और ओलावृष्टि की घटनाएं निम्नानुसार दर्ज की गई।

क्रम संख्या	**क्षेत्र**	**टीएस दिन**	**अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की तारीख**	**ओलावृष्टि की घटनाएँ**	**गरजना की घटनाएँ**
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	29	09-10-20 & 10-10-20	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	07	31-10-20	01 (31-10-20 को भादरवाह)	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	24	04-10-20	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	21	03-10-20	शून्य	04 (3/10/20, 12/10/2020**,** 14**/**10/20 और 18/10/20) को पोर्ट ब्लेयर)
5.	मध्य भारत	18	07-10-20	शून्य	शून्य
6.	पश्चिम भारत	04	-	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:-

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 124 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनी-124 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-5 (प्रत्येक बृहस्पतिवार को जारी की जाती है) पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन-62, समुद्री मौसम पूर्वानुमान बुलेटिनं; 62, उतरी हिंद महासागर के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-31, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-31, संपूर्ण देश से दक्षिण पश्चिम मानसून, 2020 की विशिष्ट विशेषताओं के संबंध में-2 (अंग्रेजी और हिंदी दोनों में) द.प. मानसून 2020 के वापस लौटने के संबंध में-1 अरब सागर/अंडमान सागर/बंगाल की खाड़ी पर निम्न दवाब क्षेत्र/सुचिन्हित निम्न अवदवाब-17, दक्षिण एशिया के लिए फ्लैश फ्लड गाइडेंश सेवाए लाँच करने के संबंध में-1, दिल्ली और भारत के लिए उन्नत उच्च विभेदन वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के संबंध में-1

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें :-

(i) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्टे नियमित आधार पर प्रकाशित की जा रही है।

(ii) चार (4) साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्रों को 07,14,21 और 28 अक्टूबर, 2020 को समाप्त होने वाली सप्ताहों के लिए तैयार किया गया और आईएमडी पुणे की वेवसाइट पर अपलोड किया गया।

(iii) ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (SPI) और मानकीकृत वर्षा वाष्पोत्सर्जन सूचकांक (SPEI) 0.5 * 0.5 डिग्री विभेदन पर 4 साप्ताहिक 1,2,3 और 4 मासिक समय के पैमाने पर गणना की गई । IMD पुणे की वेबसाइट पर एक ही समय सीमा के नक्शे साप्ताहिक आधार पर अपलोड किए जा रहे हैं।

(iv) अक्टूबर, 2020 के लिए ईएनएसओ बुलेटिन और अक्टूबर से जनवरी माह, 2020 के लिए दक्षिणी एशिया के लिए मौसमी जलवायु आउटलूक जारी किए गए। (Quick Link: www.imdpune.gov.in/ clim_pred_LRF_New/Products.html)

(v) गोवा की जलवायु और मौसम प्रत्रिका वर्ष 71, भाग IV (अक्टूबर, 2020) नामक शीर्षक की एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	अब तक कितने प्रारंभ किए गए	महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपीय स्टेशन	115	115	101
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 VST से जुड़े हैं, शेष 20 स्टैंडअलोन मोड में चल रहे हैं।

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:: भारतीय क्षेत्र में 128 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 6 भूकंप/5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक के थे।
सुनामी **:** सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 2 समुद्रतलीय भूकंप (एम>6)।घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से भी कम समय में जानकारी दी गई थी।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	अक्टूबर, 2020 तक शुरू किए	अक्टूबर, 2020 के दौरान डेटा प्राप्त हुआ
अर्गो फ्लोट्स *	200	374	132
मूरेद बुआए	16	18	11
टाइड गेज	36	36	26
उच्च आवृत्ति (एचएफ) रडार	10	12	6
ध्वनिक डॉपलर तरंग प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	18
सुनामी बुआए	7	4	3
वेव राइडर बॉय	23	16	11

शेष फ़्लोट्स/ड्रिफ्टर्स ने अपना जीवनकाल पूरा कर लिया और इसलिए उनसे कोई डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग ज़ोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	24
2	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	19
2	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवन, धारा, एसएसटी, MLD और D20 पूर्वानुमान	31
4.	तात्कालिक वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच और जागरुकता

एमओईएस के सभी संस्थानों ने अक्टूबर 2020 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। अक्टूबर 2020 के दौरान COVID - 19 पर "प्रधानमंत्री के जन आंदोलन अभियान" और "जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट करप्शन" के भाग के रूप में ई-प्रतिज्ञा ली गई। विभिन्न प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित की गई और पुरस्कारों की घोषणा की गई।

भारत सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) शिखर सम्मेलन के तहत एमओईएस संस्थानों द्वारा विभिन्न विषयगत सत्र ऑनलाइन संचालित किए गए।

09 अक्टूबर 2020 को NCMRWF के प्रमुख द्वारा भारतीय सेना के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई और आर्टिलरी फायर कंट्रोल सिस्टम में NCMRWF मॉडल डेटा के उपयोग के बारे में चर्चा की गई।

7-17 अक्टूबर के दौरान उष्णदेशीय चक्रवात चेतावनी देने वाला प्रशिक्षण ऑनलाइन मोड के माध्यम से संचालित किया गया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) एशिया और प्रशांत महासागर के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग के 19, पैनल सदस्य देशों सहित 54 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर फॉर ऑपरेशनल ओशनोग्राफी (ITCO महासागर), INCOIS, हैदराबाद के बैनर तले "अंडरस्टैंडिंग सी लेवल: डेटा एनालिसिस एंड एप्लीकेशन्स" पर तीन दिवसीय (12 - 14 अक्टूबर, 2020) ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। भारत सहित 20 देशों के व्यवसायिको, वैज्ञानिकों, छात्रों और शोधकर्ताओं ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

आईआईटीएम, पुणे में 15-17 अक्टूबर 2020 के दौरान द सोसाइटी ऑफ अर्थ साइंटिस्ट्स द्वारा "अर्थस चेंजिंग क्लाइमेट: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर" पर अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन, आयोजित किया गया।

एमओईएस की एक पहल के रूप में, (IITM) ने MoES और इसके संस्थानों के साथ मिलकर "पृथ्वी विज्ञान लोकप्रिय व्याख्यान" वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया। अक्टूबर, 2020 के महीने में एक वार्ता की गई।

मंत्रालय द्वारा आम जनता के बीच मंत्रालय के कामकाज को लोकप्रिय बनाने के लिए 'जन-जन के लिए विज्ञान' शीर्षक की एक वेबिनार श्रृंखला शुरू की गई है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए एमओईएस में गांधीवादी दर्शन पर एक वेबिनार श्रृंखला शुरू की और 26-27 सितंबर 2020 को दो मैगा-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिसमें पूरे भारत में एमओईएस के सभी कैडरों के कर्मचारियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया आई और 100 से अधिक प्रतिभागियों की ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज की गई।

प्रकाशन

विषय	**प्रकाशन**			**पीएचडी**		
	अप्रैल-सितम्बर 2020	अक्टूबर, 2020	कुल	अप्रैल-सितम्बर 2020	अक्टूबर, 2020	कुल
एट्मोस्फेरिक साइंसेज	123	14	137	4	-	4
ओशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	76	6	82	-	1	1
पोलर साइंसेज	31	1	32	1	-	1
जिओसाइंसेज एण्ड रिसोर्सेज	17	1	18	-	-	-
कुल	247	22	269	5	1	6

माह के दौरान महासागर अनुसंधान पोत का उपयोग

जलपोत	**सागर पर दिन /उपयोग**	**रखरखाव / निरीक्षण / वैज्ञानिक रसद / क्रूज तैयारी**	**क्रूज की संख्या**
सागर निधि	22	09	2
सागर मंजुशा	08	23	1
सागर तारा	08	23	1
सागर अन्वेशिका	0	31	0
सागर कन्या	19	12	1
सागर सम्पदा	09	22	1

<u>अनुबंध-II</u>

सं.एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लाधी रोड
नई दिल्ली-110003

दिनांक: 2 नवंबर, 2020

प्रमाण पत्र

(अक्टूबर, 2020 माह के लिए)

यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबधित सभी पदों की विस्तृत स्थिति को अक्टूबर, 2020 माह के अन्तिम दिन को एवीएमएस पर अद्यित किया गया है। स्थिति का सारांश इस प्रकार है:

(क)	एवीएमएस में पदों की कुल संख्या		-13
(ख)	आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या		-11
(ग)	आज की तारीख तक कुल रिक्त पदों की संख्या		-01
(घ)	अतिरिक्त प्रभार वाले पदों की संख्या	-01	
(ड़)	अगले छ: माह के दौरान रिक्त रहने वाले पद	-00	

(डॉ.विपिन चन्द्र)
सयुक्त सचिव
js@moes.gov.in